'तेल बनेगा झाड़ी से, नहीं आएगा खाड़ी से'

जागरण संवाददाता, पश्चिमी दिल्ली

बाहरी दिल्ली स्थित दिल्ली कालेज ाफ इंजीनियरिंग में बायो डीजल के योग को प्रोत्साहित करने के लिए तीन वसीय कार्यशाला का आयोजन किया या। पेट्रोलियम कंजर्वेशन रिसर्च सोसिएशन के तत्वावधान में आयोजित स कार्यक्रम में पंजाब, हरियाणा व जस्थान से आए दर्जनों किसानों ने भाग या। इसका उद्घाटन प्रो. प्रिय रंजन वारी ने किया।

इस अवसर पर प्रो. तिवारी ने कहा कि श में वाहनों के कारण प्रदूषण की समस्या कराल रुप लेती जा रही है। अकेले ल्ली में ही 40 लाख पंजीकृत वाहन हैं था भविष्य में इसके और बढ़ने की भावना है। इससे बढ़ते प्रदूषण से निपटने लिए वाहनों में बायो डीजल का प्रयोग या जाना चाहिए।

बायो डीजल प्रयोग के लिए सरकार हरित क्रांति की तरह एक विशेष योजना ाने की जरुरत पर बल देते हुए उन्होंने

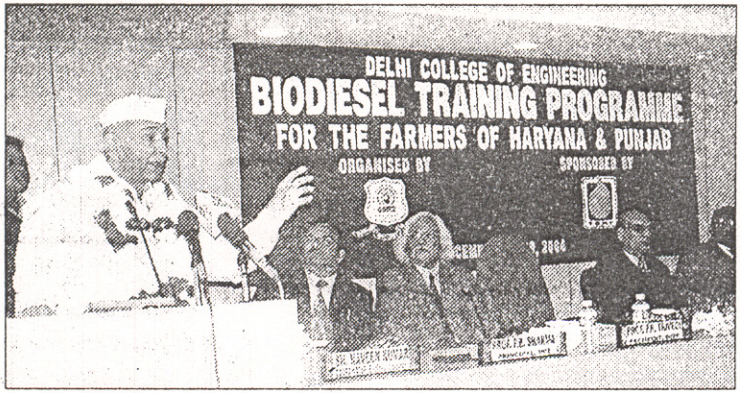

■ बवाना रोड स्थित दिल्ली कालेज ऑफ इंजीनियरिंग में बायोडीजल पर आयोजित कार्यशाला को संबोधित करते प्रो. पी.आर. त्रिवेदी। जागरण

कहा कि इससे बायो डीजल का प्रयोग, मार्केटिंग व विपणण करने में आसानी होगी। साथ ही किसानों को बायो डीजल बनाने में प्रयुक्त होने वाले पौधों की खेती व तकनीक के बारे में जागरुक करना होगा। उन्होंने कहा कि बायो डीजल को बढ़ावा देने के लिए कालेज के विशेषज्ञ दिन-रात जुटे हुए हैं। इसके बदौलत 100 लीटर डीजल तेल निर्माण का संयत्र कालेज के प्रयोगशाला में बनाया गया है और भविष्य में एक हजार लीटर क्षमता वाली संयत्र बनाने की प्रकिया चल रही है। उन्होंने बायो डीजल के भविष्य को देखते हुए नारा दिया, 'अब तेल मिलेगा झाड़ी से नहीं आएगा खाड़ी से।' कालेज के प्राचार्य पीबी शर्मा ने कहा कि विदेशों में 20 से 80 प्रतिशत तक बायो डीजल ईंधन का प्रयोग किया जा रहा है। भारत में भी सरकार ने सन 2005 तक पांच व 2012 तक 20 प्रतिशत बायो डीजल मिश्रित इंधन का प्रयोग करना निर्धारित किया है। उन्होंने बताया इस तेल का प्रयोग करने के लिए वाहन के इंजन व तकनीकि में किसी भी प्रकार की तब्दीली नहीं करनी पड़ती। बायो डीजल के विशेषज्ञ व कालेज के प्रोफेसर नवीन कुमार ने बताया कि बायो डीजल का प्रयोग से जहां भारत की अर्थव्यवस्था पर क्रांतिकारी प्रभाव पड़ेगा, वहीं प्रदूषण व ग्रामीण बेरोजगारी के दूर करने में भी सहायता मिलेगी। इसी उद्देश्य से व किसानों को रतनजोत व करैंज की बीज का उत्पादन करने का प्रशिक्षण दे रहे हैं। इसमें डा, आरके दुआ, मेजर जनरल आरके कौशल, चंद्र भरद्वाज, प्रो. ओपी मिश्रा व कालेज के कई प्रोफेसर व विद्यार्थी मौजूद थे।

दैनिक जागरण
28/12/04